भारतीय मुद्रा डिज़ाइन तंत्र

प्रलिम्सि के लयि:

नोटों और सक्किों को जारी करने के संबंध में RBI और केंद्र सरकार की शक्तयिाँ

मेन्स के लयि:

मुद्रा डज़िाइन और मुद्रण की प्रक्रयिा

चर्चा में क्यों?

हाल ही में एक राजनीतकि दल के प्रमुख ने देश में "समृद्धि" लाने के लयि केंद्र सरकार से नोटों (मुद्रा) पर देवी लक्ष्मी और भगवान गणेश के चति्र छापने का अनुरोध कयिा।

भारतीय बैंक नोटों एवं सक्किों के डज़िाइन व जारी करने में कौन-कौन शामलि होता है?

- **वषिय:**
    - [भारतीय रज़िर्व बैंक (RBI)]() और **केंद्र सरकार** बैंक नोटों एवं सक्किों के **डज़िाइन तथा स्वरूप में बदलाव** का फैसला करते हैं।
    - करेंसी नोट के डज़िाइन में कसिी भी बदलाव को**भारतीय रज़िर्व बैंक (RBI) के केंद्रीय बोर्ड और केंद्र सरकार द्वारा अनुमोदति कयिा जाना चाहयि।**
        - **सक्किों के डज़िाइन में बदलाव करना केंद्र सरकार का वशिेषाधकिार** है।
- **नोट जारी करने में RBI की भूमकिा:**
    - **भारतीय रज़िर्व बैंक अधनियिम, 1934** की धारा 22, RBI को भारत में **बैंक नोट जारी** करने का "एकमात्र अधकिार" प्रदान करती है।
        - केंद्रीय बैंक आंतरकि रूप से डज़िाइन तैयार करता है, जसि **RBI के केंद्रीय बोर्ड के सामने रखा जाता है।**
    - धारा 25 में कहा गया है कि "बैंक नोटों का डज़िाइन, स्वरूप और सामग्री ऐसी होनी चाहयि जैसा क**RBI के केंद्रीय बोर्ड द्वारा की गई सफिारशिों पर वचिार करने के बाद केंद्र सरकार द्वारा अनुमोदति कयिा गया हो"।**
    - RBI के मुद्रा प्रबंधन वभिाग के डप्टिी गवर्नर की अध्यक्षता में मुद्रा प्रबंधन के कार्य को प्रशासति करने की ज़म्मिेदारी है।
        - यदि कसिी करेंसी नोट का डज़िाइन बदलना है, तो वभिाग डज़िाइन पर काम करता है और इसे RBI को प्रस्तुत करता है**जो केंद्र सरकार को इसकी अनुशंसा करता है। सरकार अंतमि मंज़ूरी देती है।**
- **सक्किों की ढलाई में केंद्र सरकार की भूमकिा:**
    - **सक्किा अधनियिम, 2011** के अनुसार, वभिन्नि मूल्यवर्ग के सक्किों की रूपरेखा तैयार करने (डज़िाइनगि) तथा ढलाई की ज़म्मिेदारी भारत सरकार की है।
        - भारतीय रज़िर्व बैंक की भूमकिा केंद्र सरकार द्वारा आपूर्त कयि जाने वाले सक्किों के वतिरण करने तक सीमति है।
    - भारतीय रज़िर्व बैंक से वार्षकि आधार पर प्राप्त होने वाले मांगपत्र (इंडेंट) के आधार पर ढाले जाने वाले सक्किों की मात्रा का नर्धारण भारत सरकार करती है।
    - सक्किों की ढलाई भारत सरकार के स्वामत्वि वाली चार टकसालों में की जाती है। ये टकसाल मुंबई, हैदराबाद, कोलकाता तथा नोएडा में स्थति हैं।

भारतीय रज़िर्व बैंक की मुद्रा प्रबंधन प्रणाली:

- भारतीय रज़िर्व बैंक द्वारा केंद्र सरकार तथा अन्य साझेदारों के परामर्श से एक वर्ष में मूल्यवर्ग वार संभावति आवश्यक बैंक नोटों की मात्रा का आकलन कयिा जाता है और बैंक नोटों की आपूर्त हितु वभिन्नि करेंसी प्रटिगि प्रेसों को मांगपत्र (इंडेंट) सौंपता है ।
    - भारत सरकार की दो प्रटिगि प्रेस नासकि (पश्चमिी भारत) तथा देवास (मध्य भारत) में स्थति हैं तथा भारतीय रज़िर्व बैंक नोट मुद्रण लमिटिेड (BRBNML) की दो अन्य प्रेस मैसूर (दक्षणि भारत) तथा सालबोनी (पूर्वी भारत) में स्थति हैं ।
- संचलन से वापस लयि गए बैंक नोटों की जाँच की जाती है तथा जो संचलन के योग्य हैं उन्हें पुन: जारी कयिा जाता है, जबकि अन्य (गंदे तथा कटे-फटे)

को नष्ट कर दिया जाता है ताकि संचलन में बैंक नोटों की गुणवत्ता को बनाए रखा जा सके।

अब तक जारी नोटों के प्रकार:

- **अशोक स्तंभ वाले बैंक नोट: स्वतंत्र भारत में पहला बैंक नोट वर्ष 1949 में जारी किया गया जो कि 1 रुपए का नोट था।** मौजूदा डिज़ाइन को जारी रखते हुए नए बैंक नोटों में किंग जॉर्ज के चित्र की बजाय वॉटरमार्क वाले स्थान में सारनाथ के अशोक स्तंभ की **लायन कैपिटल** के प्रतीक का उपयोग किया गया।
- **महात्मा गांधी (एमजी) शृंखला वाले नोट, 1996:** इस शृंखला के सभी बैंक नोटों पर अशोक स्तंभ की लायन कैपिटल के प्रतीक के स्थान पर आगे की तरफ महात्मा गांधी का चित्र है, जिसे वॉटरमार्क वाले स्थान के बाईं ओर रखा गया था। इन बैंक नोटों में **महात्मा गांधी** वॉटरमार्क के साथ-साथ महात्मा गांधी का चित्र भी है।
- **महात्मा गांधी शृंखला वाले नोट, 2005: "MG सीरीज़ 2005"** के तहत 10 रुपए, 20 रुपए, 50 रुपए, 100 रुपए, 500 रुपए और 1,000 रुपए के नोट जारी किये गए थे। इन नोटों में 1996 की MG सीरीज़ की तुलना में कुछ अतिरिक्त/नई सुरक्षा संबंधी विशेषताएँ हैं **इस शृंखला के 500 और 1,000 रुपए के नोटों को 8 नवंबर, 2016 की मध्यरात्रि के बाद वापस ले लिया गया था।**
- **महात्मा गांधी (नई) शृंखला वाले नोट, 2016:** "MGNS" नोट **देश की सांस्कृतिक विरासत और वैज्ञानिक उपलब्धियों को उजागर करते हैं** । छोटे आकार के होने के कारण ये नोट वॉलेट के लिये अधिक अनुकूल हैं, इनके खराब होने की संभावना भी कम होती है। इन नोटों का रंग साफ़ और स्पष्ट है।

UPSC सिविल सेवा परीक्षा विगत वर्ष के प्रश्न (PYQs)

प्रश्न. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) के गवर्नर की नियुक्ति केंद्र सरकार द्वारा की जाती है।
2. भारत के संविधान में कुछ प्रावधान केंद्र सरकार को जनहित में RBI को निर्देश जारी करने का अधिकार देते हैं।
3. RBI का गवर्नर भारतीय रिज़र्व बैंक अधिनियम से अपनी शक्ति प्राप्त करता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3
(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (c)

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/indian-currency-design-mechanism